

≡ काव्य

हम ये अकसर करते हैं
इस की बात
उस की बात
इस से बात
उस से बात
पर जो नहीं करते
वो है ...
सीधी बात
सच्ची बात
सही बात
अपने मन की बात।
-नीलकमल सैनी